ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दिनांक :06.03.2026

प्रथम सत्र- सत्रीय कार्य की सूचना

एम.ए. इतिहास (सत्र- 2025-27) दूर शिक्षा

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। पाठ्यसामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें एवं अपने शब्दों में लिख सकें, इसका तात्पर्य यह है कि निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रूप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार करके अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विद्वानों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपके परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर करेंगे।

1. एम.ए., इतिहास (दूर शिक्षा) (सत्र- 2025-27) **प्रथम सेमेस्टर** के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि सत्रीय कार्य के प्रश्नपत्र के अनुसार **स्वहस्ताक्षर** में प्रश्नों के उत्तर A-4, साईज के पृष्ठ पर लिखकर आपको आवंटित किए गए अध्ययन केंद्र (Study Centre) पर हार्ड कॉपी में दिनांक, 03/04/2026 तक जमा करना सुनिश्चित करें। **सीधे दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में सत्रीय कार्य जमा नहीं करना हैं।**
2. प्रत्येक विषय के सत्रीय कार्य के प्रथम (पहले) पृष्ठ पर निम्नांकित जानकारी आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें।
    1. छात्र का नाम : .....
    2. नामांकन संख्या : .....
    3. अध्ययन केंद्र का नाम : .....
    4. विषय/प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड संख्या : .....
    5. सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने का दिनांक : .....
    6. छात्र के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....
    7. अध्ययन केंद्र में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....

पाठ्यक्रम संयोजक
डॉ. परिमल प्रियदर्शी
अनुसंधान अधिकारी

प्रथम पृष्ठ का प्रारूप

(प्रत्येक विषयों के सत्रीय कार्य के प्रथम पृष्ठ पर अनिवार्य)

1. छात्र का नाम : .....
2. नामांकन संख्या : .....
3. अध्ययन केंद्र का नाम : .....
4. विषय/प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड संख्या : .....
5. सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने का दिनांक : .....
6. छात्र के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....
7. अध्ययन केंद्र में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -01 इतिहास लेखन

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) इतिहास लेखन में स्रोतों के महत्व की विवेचना कीजिए।

प्रश्न संख्या (2) इतिहास लेखन में प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों की उपयोगिता बताइए।

प्रश्न संख्या (3) ऐतिहासिक वस्तुनिष्ठता को परिभाषित करते हुए इतिहास में ऐतिहासिक वस्तुनिष्ठता की आवश्यकता का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन की पद्धतियों की विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या (5) इतिहास का उसके सहायक शास्त्रों के साथ संबंधों पर एक निबंध लिखिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -02 प्राचीन भारतीय संस्कृति

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) हड़प्पायुगीन कला एवं स्थापत्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न संख्या (2) सूत्रयुगीन वर्णाश्रम व्यवस्था का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (3) प्राचीन भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास की विवेचना कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) गुप्तकालीन धर्म एवं संस्कृति का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (5) प्राचीन काल में भारतीय संस्कृति के प्रसार पर प्रकाश डालिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -03 प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-1)

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) वैदिक साहित्य – वेद, ब्राह्मण एवं उपनिषद पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या (2) महाभारत के ऐतिहासिक महत्व को बताते हुए इस काल के राजनीतिक एवं सामाजिक अवस्था की चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या (3) सिंधु घाटी सभ्यता की नगर निर्माण योजना का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) भगवान बुद्ध के जीवन एवं बौद्ध धर्म पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (5) चंद्रगुप्त मौर्य केवल महान सेनानायक और विजेता ही नहीं वरन् एक महान प्रशासक भी थे। उदाहरण के साथ इस कथन को सिद्ध कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -04 प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-2)

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) चालुक्यों के उद्भव एवं पुलकेशिन द्वितीय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न संख्या (2) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य की उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न संख्या (3) चोल,पांड्य एवं चेरों के इतिहास का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) भारत पर बाह्य आक्रमण- शक, हूण एवं कुषाण का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (5) राजपूतों की उत्पत्ति एवं उत्थान पर प्रकाश डालिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -05 इतिहास और लैंगिकता

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) वैदिक युग में स्त्रियों को प्राप्त अधिकारों का वर्णन कीजिए।
प्रश्न संख्या (2) भक्ति काव्य में मीरा के महत्व का प्रतिपादन कीजिए।

प्रश्न संख्या (3) गांधीजी ने राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान भारतीय स्त्रियों को राजनीतिक जीवन में किस प्रकार सक्रिय किया ?

प्रश्न संख्या (4) इतिहास लेखन के दौरान महिलाओं के योगदान को कैसे नजरअंदाज किया गया ?

प्रश्न संख्या (5) स्वतंत्र भारत में स्त्रियों की स्थिति में किस प्रकार परिवर्तन देखा गया? स्पष्ट करें।

पाठ्यक्रम संयोजक